Title: Need to release funds for early completion of laying of rail line between Jakhpura and Banspani in Orissa.

श्री अनन्त नायक(क्योंझर) : सभापति जी, उड़ीसा की जाखपुरा-बांसपानी रेलवे लाइन को पूरा करने में अत्यधिक विलंब हुआ है। इस लाइन को 31 मार्च, 1999 तक पूरा करने का लक्ष्य था जिसे बाद में 31 मार्च, 2003 तक बढ़ा दिया गया। यह उड़ीसा की महत्वपूर्ण और सबसे पुरानी रेल परियोजना है जिसे प्रथम पंचवर्षीय योजना के समय में आरंभ किया गया था। इस योजना के प्रथम चरण अर्थात् जाखपुरा से दैतारी को 1969 में पूर्ण कर यातायात के लिए खोल दिया गया था। परन्तु दैतारी से क्योंझरगढ के दूसरे चरण और क्योंझरगढ से बांसपानी के तीसरे चरण में पर्याप्त प्रगति नहीं हुई है। इस विलम्ब का कारण परियोजना हेतु कम राशि का आबंटन किया गया है।

लाइन के एक बार पूरा हो जाने के बाद निर्यात की गुणवत्ता वाले खनिजों को पारादीप पत्तन तक छोटे से छोटे मार्ग द्वारा ले जाने में सहायता मिलेगी जिसे अब तीन राज्यों अर्थात् उड़ीसा, बिहार और पश्चिम बंगाल के लम्बे मार्ग से ले जाया जाता है। लघु मार्ग से माल ढोने से यातायात खर्च, समय और राजस्व की बचत होगी। इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण बात यह है कि यह लाइन पिछड़े क्षेत्र से होकर जाती है जहां ज्यादातर आदिवासी रहते हैं। अतः इन पिछड़े लोगों, उड़ीसा और संपूर्ण राष्ट्र के हितों को ध्यान में रखते हुए मैं मांग करता हूं कि जाखपुरा-बांसपानी रेल लाइन हेतु पर्याप्त निधियों का आबंटन किया जाये ताकि इसे वर्ष 2003 के अंत तक पूरा किया जा सके।